पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494

ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि

पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **अश्वनी राघव, रामेंदु** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक – कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494
ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि
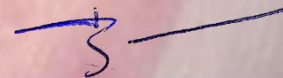
पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **निर्मल जैन 'नीर'** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक - कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494
ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि
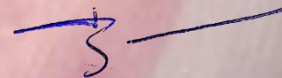
पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **अन्नू राठौड़ रुद्रांजली** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक – कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494

ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि
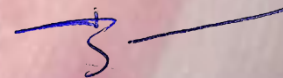
पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **महेश काव्यप्रेमी** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक – कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494

ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि

पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **डॉ. चंद्रेश कुमार छ्तलानी** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक - कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494
ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि
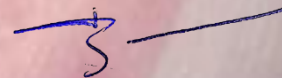
पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **अशोक ताजावत** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक - कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494

ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि
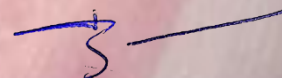
पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **संदीप शर्मा सरल** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक – कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494

ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि
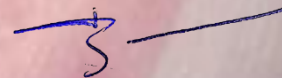
पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **सुनील चाष्टा सुरुप** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक – कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494

ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि
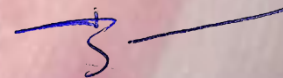
पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **नूतन योगी** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक - कुशाग्र जैन

पंजीयन संख्या - U88900RJ2023NPL086494

ISBN NUMBER : 978-81-966404-5-3

शिवाग्र कला मंच फाउंडेशन

धन्यवाद पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि

पुस्तक "चुप्पियों का संवाद" (ISBN: 978-81-966404-5-3) के प्रकाशन में, **छैल बिहारी शर्मा "जनप्रिय"** द्वारा रचित अमूल्य रचनाओं के योगदान के लिए, हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपकी रचना ने इस संग्रह के 'चुप्पियों के संवाद' को एक नई गहराई और आयाम प्रदान किया है, जो पाठकों के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। हम आपके साहित्यिक योगदान की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपका रचनात्मक सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

यह प्रमाण पत्र आपकी अद्भुत प्रतिभा और इस साहित्यिक प्रयास के प्रति आपके समर्पण के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

शुभकामनाओं सहित,

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

कुशाग्र जैन
संपादक "चुप्पियों का संवाद"

संपादक – कुशाग्र जैन